PRESS MONITOR

Hindustan, Delhi
Thursday, 13th May 2021; Page: 11
Width: 24.30 cms; Height: 18.20 cms; a4r; ID: 20.2021-05-13.151

बैटरी उत्पादन के लिए पीएलआई

प्रोत्साहन

योजना

- प्रधानमंत्री की अगुआई में केंद्रीय मंत्रिमंडल की योजना ने लगाई मुहर
- 18100 करोड़ रुपये वाली उत्पादन योजना को मंजूरी

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

देश में बैटरी स्टोरेज को बढावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय उन्नत रसायन बैटरी भंडारण कार्यक्रम को मंजूरी दी है। इसके तहत बैटरी भंडारण के क्षेत्र में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 18 हजार 100 करोड़ रुपए के अनुमानित व्यय के साथ उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) को भी मंजूरी दी है। इससे देश में इलेक्ट्रिक मोबेलिटी को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने के मकसद से राष्ट्रीय उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण कार्यक्रम को मंजूरी दी गयी है। उन्होंने कहा कि इसमें 45,000 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि उन्नत भंडारण प्रौद्योगिकी के तहत बिजली को इलेक्ट्रो-केमिकल या रसायनिक ऊर्जा के रुप में सुरक्षित किया जा सकता है। जरुरत पड़ने पर इसे फिर बिजली में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना का फायदा कई क्षेत्रों में होगा क्योंकि, इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ सोलर पावर प्लांट में इस तरह की बैटरी की जरूरत होती है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) से देश में उत्पादन बढ़ेगा। इससे आयात कम होगा।